पर्यटन अध्ययन

बीटीएस
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य पुस्तिका
(2013–14)

टीएस–4 और टीएस–5

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

बीटीएस सत्रीय कार्य

पर्यटन अध्ययन सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है। सत्रीय कार्य को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस–4 और टीएस–5 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

नोटः सभी सत्रीय कार्यों को समय पर अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर अपनी नामांकन सं., नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें। जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद, अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृपया इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देश

हम आपसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500–700 शब्दों के बीच देने अथवा जैसा सत्रीय कार्य में उल्लेख किया गया है, के अनुसार देने की आशा करते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) योजना बनानाः सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2) संगठनः अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें किः

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।
   ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।
   ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) प्रस्तुतिः जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ अरविन्द कुमार दुबे
कार्यक्रम संयोजक, बीटीएस

सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

अनिवार्य पाठ्यक्रम	जनवरी सत्र के लिए अंतिम तारीख	जुलाई सत्र के लिए अंतिम तारीख
टीस–4	15 अप्रैल, 2013	15 अक्तूबर, 2013
टीस–5	15 अक्तूबर, 2013	15 अप्रैल 2014

टीएस 4 : भारतीय संस्कृतिःपर्यटन के लिए परिप्रेक्ष्य
(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः टीएस–4 **कार्यक्रमः बीटीएस**
कुल अंकः 100 **सत्रीय कार्य कोडः टीएस–4/टीएमए/2013–14**

नोटः इस अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।
भाग । में **दो प्रश्न** हैं जिनमें से आपको **एक प्रश्न का उत्तर** देना है। यह प्रश्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग **700 शब्दों** में दें।
भाग ।। में **आठ प्रश्न** हैं। किन्हीं **पांच प्रश्नों** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में दें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।
अपने टीएमए को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग – ।

1. भारतीय सांस्कृतिक विरासत की प्रमुख विशेषताओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 25

अथवा

2. भारत के प्रमुख धातु शिल्प कौन–से हैं? भारत में उनके उत्पादन के प्रमुख केंद्रों का उल्लेख कीजिए। 25

भाग–।।

1. संरक्षण के प्रमुख पहलू कौन से हैं? सांस्कृतिक संपत्ति का संरक्षण महत्वपूर्ण क्यों है? 15

2. गुप्त काल के दौरान किए गए महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों की चर्चा कीजिए। 15

3. भारत में संगीत के विभिन्न रूपों की उत्पत्ति और विकास की जॉच–पड़ताल कीजिए। 15

4. मुगल काल के दौरान भारतीय वास्तुकला की संवृद्धि और विकास पर टिप्पणी लिखिए। 15

5. पर्यटन और हस्तशिल्प के विकास के बीच क्या संबंध है? उदाहरण देते हुए अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए।15

6. भारतीय कुम्हारगीरी (मिट्टी के बर्तन बनाना) पर एक टिप्पणी लिखिए। 15

7. मध्य काल के दौरान भारतीय परिधान/वेषभूषा में आए बदलावों का परीक्षण कीजिए। 15

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिएः (5x3=15)
   क. जनजातीय अर्थव्यवस्था
   ख. पर्यटन के विकास में संचार माध्यमों की भूमिका
   ग. भक्ति आंदोलन
   घ. वैदिक काल में *वर्ण प्रणाली*
   च. जैन धर्म और बौद्ध धर्म का सामाजिक प्रभाव

टीएस 5 : पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन
(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः टीएस–5 **कार्यक्रमः बीटीएस**
कुल अंकः 100 **सत्रीय कार्य कोडः टीएस–5/टीएमए/2013–14**

नोटः इस अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।
भाग । में **दो प्रश्न** हैं जिनमें से आपको **एक प्रश्न का उत्तर** देना है। यह प्रश्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग **700 शब्दों** में दें।
भाग ।। में **आठ प्रश्न** हैं। किन्हीं **पांच प्रश्नों** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **500 शब्दों** में दें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।
अपने टीएमए को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग – ।

1. उदाहरण देते हुए जैव–विविधता और पर्यटन उद्योग के साथ इसके संबंध का वर्णन कीजिए। 25

अथवा

2. पर्यटन की योजना से आप क्या समझते हैं? उदाहरणों की सहायता से पर्यटन मास्टर प्लान के महत्व और इसके विभिन्न घटकों का वर्णन कीजिए। 25

भाग–।।

1. 'समुदाय' और 'क्षेत्रीय परिसंपत्ति' शब्दों से आप क्या समझते हैं? उदाहरणों की सहायता से इन दोनों के बीच पारस्परिक संबंध का वर्णन कीजिए। 15

2. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए: (5x3=15)
   क. मेजबान/स्थानीय लोगों पर दबाव
   ख. आधुनिक काल में संरक्षण और इसका इतिहास
   ग. क्षेत्रीय असंतुलन के कारण

3. पर्यावरण पर पारिस्थितिकी पर्यटन के प्रभावों और इसके संभावित समाधानों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 15

4. आर्द्र भूमि/वेटलैंड क्या हैं? इनके महत्व का वर्णन कीजिए और इनके संरक्षण के लिए उपायों का सुझाव दीजिए। 15

5. होटल और रेस्टोरेंट पर्यावरण अपक्षय के लिए किस प्रकार उत्तरदायी हैं? इस प्रकार के अपक्षय को रोकने के लिए होटल व्यवसायी और पर्यटकों द्वारा किए जाने वाले उपायों के बारे में सुझाव दीजिए। 15

6. प्रायद्वीप और समुद्री किनारे (Beaches) पर्यटन उद्योग के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं? बताइए कि किस प्रकार अनियंत्रित पर्यटन प्रायद्वीपों और समुद्र के किनारों के पर्यावरण को प्रभावित करता है? 15

7. 'वनस्पति जीवन' (Vegetation) और 'वन्य जीवन' शब्दों को परिभाषित कीजिए। उदाहरणों की सहायता से वन्य जीवन पर पर्यटन के प्रभावों का वर्णन कीजिए। 15

8. आगन्तुक कौन होते हैं? किसी गंतव्य स्थल पर जाने वाले आगन्तुक से पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील व्यवहार की अपेक्षा क्यों की जाती है? उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए। 15